मार्कफिल्ड हायब्रिड सीड्स प्रा. लि.
बी-३, अतिरिक्त औद्योगिक वसाहत, जालना, कस्टमर केअर मो. क्रमांक ९४०५७८२६६८

मका

वाण:- आफ्रिकन टॉल, सिडको हायब्रीड मेझ -०७, हायब्रीड मेझ -०९

जमीन:- मका हे पीक विविध प्रकारच्या जमिनीत घेता येते; मात्र त्यासाठी चांगली मशागत आणि योग्य प्रमाणात खतमात्रांची आवश्यकता असते. मध्यम ते भारी, चांगला निचरा होणारी जमीन आवश्यक असते. काळी कसदार, गाळाची व नदीकाठची जमीन अत्यंत उपयुक्त असते. जमिनीचा सामू 6.5 ते 7.5 दरम्यान असावा.

हवामान:- मका हे उष्ण, समशीतोष्ण आणि थंड हवामानाशी समरस होणारे पीक आहे. मात्र पीकवाढीच्या कोणत्याही अवस्थेत धुके आल्यास ते या पिकास मानवत नाही या पिकाच्या योग्य वाढीसाठी 25 ते 30 अंश से तापमान चांगले असते. परंतु जेथे सौम्य तापमान (20 ते 25 अंश से.) आहे अशा ठिकाणी मका वर्षभर घेता येतो. 35 अंश से. पेक्षा अधिक तापमान असल्यास उत्पादनात घट येते.

पेरणीची वेळ: खरीप हंगामात - जूनच्या शेवटच्या आठवड्यापासून जुलैच्या पहिल्या आठवड्यापर्यंत.
रब्बी हंगामात - ऑक्टोबरचा दुसरा पंधरवडा. उन्हाळा हंगामात - मार्चचा दुसरा पंधरवडा.
बियाणे दर आणि अंतर: मका लागवडी साठी २०-२५ किलो/हेक्टर पुरेसे आहे, ओळी-ते-ओळी अंतर ६० सेमी आणि रोप-ते-रोप अंतर २०-२५ सेमी आहे. चारा पिकासाठी, ३० सेमी ओळीतील बियाण्यांमध्ये १५ सेमी अंतर ठेवून ४० किलो/हेक्टर बियाणे दर शिफारसित आहे. चार पिकासाठी पेरणी पाभरीने 30 सेंमी अंतरावर करावी.

खत व्यवस्थापन: मका लागवडीमध्ये खते खूप महत्त्वाची असतात. यासाठी प्रति एकर ८-१० टन शेणखत घाला, ज्यामुळे जमीन सुपीक होण्यास मदत होते.

क्र.	प्रति हेक्टर रासायनिक खते	नायट्रोजन (किलो)	फॉस्फरस (किलो)	पोटॅश (किलो)
1	पेरणीच्या वेळी	30	60	40
2	१५ दिवसांनी	35	00	00
3	३० दिवसांनी	35	00	00
	एकूण	100	60	40

रोग आणि कीटक नियंत्रण :- फर्टेरा (ड्युपोंड) ४ किलो प्रति एकर किंवा व्हर्टिको (सिंजेंटा) २.५ किलो प्रति एकर खतासोबत वापरल्याने २१ दिवस रस शोषक कीटकांपासून संरक्षण मिळते.

अ. क्र.	रोग/कीटक	नियंत्रण	मात्रा प्रति ली पाणी में
1	मक्यावरील करपा	साफ	०२ ग्रॅम प्रति लिटर
2	पानांवरील करपा	कीटोशी	०२ मि. प्रति लिटर
3	डाऊनी मिल्ड्यू -	रिडोमिल गोल्ड	02 ग्रॅम प्रति लिटर
4	चारकोल रॉट -	रोको	02 ग्रॅम प्रति लिटर
5	रस्ट रोग-	इंडोफिल	02 ग्रॅम प्रति लिटर
6	कॉर्न बोरर	फोरटेनज़ा डुओ	06 मि. लिटर प्रति किलो (बियाणे प्रक्रिया)
		कोराजन	०५ मिली प्रति १५ लिटर.
7	मद्दू	कॉन्फीडॉर	०.५ मि. ली पर ली
8	लीफ हॉपर	ॲक्टरा	०६ ग्रॅम प्रति १५ लिटर
9	फॉल आर्मी वर्म	फोरटेनज़ा डुओ	०६ मि. लिटर प्रति किलो (बियाणे प्रक्रिया)
		ट्रेसर	०५ मिली प्रति १५ लिटर.

सिंचन व्यवस्थापन: मका लागवडीत योग्य सिंचन व्यवस्थापन खूप महत्वाचे आहे. खरीप हंगामात नैसर्गिक पाऊस पुरेसा नसल्यास, आवश्यकतेनुसार सिंचन करावे. रब्बी हंगामात पिकाला ४-६ पाणी द्यावे लागते, विशेषतः दाण्याच्या विकासादरम्यान आणि धान्याच्या दुधाळ अवस्थेत. ठिबक सिंचन प्रणाली सिंचनासाठी सर्वात योग्य आहे, कारण ती पाण्याची बचत करते आणि झाडांना समान प्रमाणात पाणी देते. सिंचन करताना, शेतातील पाण्याचा निचरा होण्याची व्यवस्था काळजी घ्या, जेणेकरून पाणी साचणार नाही आणि पिकाचे नुकसान होणार नाही. जड जमिनीला ४-५ आणि हलक्या जमिनीला ७-८ पाणी द्यावे लागते.

तण व्यवस्थापन: मका पिकात तणांचे नियंत्रण खूप महत्वाचे आहे कारण ते पिकांच्या पोषक तत्वांचा वापर करतात आणि पिकाच्या वाढीवर परिणाम करतात. तण नियंत्रणासाठी, शेत नियमितपणे स्वच्छ करा आणि तण काढा. याशिवाय, तणनाशकांच्या वापराने तण सहजपणे नष्ट होतात आणि पीक चांगले वाढते. मका पिकात तण नियंत्रण- १. मका पिकातील तणांच्या समस्येवर नियंत्रण ठेवण्यासाठी शेताची नियमित खुरपणी करणे महत्वाचे आहे. कोळपणी करा आणि तणनाशके वापरा जसे की- 2. बायर लॉडिस हर्बिसाइड - लॉडिस हर्बिसाइड टेम्बोट्रिऑन 42% SC (टेम्बोट्रिओन ४२% एससी) प्रति एकर १५० मिली दराने फवारणी करा.

काढणी: धान्यासाठी मका पिकाची काढणी कणसावरील आवरण पिवळसर पांढरे आणि टणक झाल्यावर करावी त्यासाठी ताटे न कापता प्रथम कणसे सोलुन खुडून घ्यावीत आणि सोललेली कणसे २ ते ३ दिवस उन्हात चांगली वाळवावीत त्यानंतर मका सोलणी यंत्राच्या मदतीने सोलणी करावी व नंतर दाण्यातील ओलावा १० ते १२ टक्के होईपर्यंत दाणे उन्हात चांगले वाळवावे. हिरव्या व सकस चाऱ्यासाठी मक्याचे पीक 50 टक्के फुलोऱ्यात आल्यावर म्हणजेच पेरणीनंतर अंदाजे 65 ते 70 दिवसांनी कापणी करावी. अनेक शेतकरी मका पूर्ण पक्व झाल्यावर जनावरांना खाऊ घालतात. त्याऐवजी 50 टक्के पीक फुलोऱ्यात असताना जनावरांना चारा द्यावा. यावेळी चारा अधिक सकस असतो.

टीप:- वरील सर्व माहिती आमच्या संशोधन केंद्रात केलेल्या प्रयोगांवर आधारित आहे. वेगवेगळ्या ठिकाणी वेगवेगळ्या हवामान, मातीचा प्रकार आणि ऋतूंमुळे वरील माहिती वेगवेगळी असू शकते.

seedco Quality Seeds

मार्कफिल्ड हायब्रीड सीड्स प्रा. लि.
बी-३, अतिरिक्त औद्योगिक वसाहत, जालना, कस्टमर केअर मो. न. 9405782668

मक्का

किस्में:- आफ्रिकन टॉल, सिडको हायब्रीड मेझ -०७, हायब्रीड मेझ -०९

भूमि: मक्का को लगभग सभी प्रकार की मिट्टी में उगाया जा सकता है। इसकी खेती के लिए रेतीली दोमट मिट्टी अच्छी होती है लेकिन इसे दोमट से लेकर चिकनी काली में भी सफलता पूर्वक उगाया जाता है। इसके अधिक उत्पादन के लिए मृदा में उचित मात्रा में कार्बनिक पदार्थ, उचित जल धारण क्षमता के साथ इसका पी. एच. मान 5.5 - 8 तक होना चाहिए। यह जल भराव के लिए अधिक संवेदनशील होती है इसलिए इससे बचने के लिए उचित जल निकास वाले खेत का चुनाव करना चाहिए।

जलवायु :- मक्का की खेती के लिए सभी प्रकार की जलवायु उपयुक्त होती है परन्तु मक्का एक गर्म जलवायु की फसल होने के कारण इसको मुखतय 18-20 डिग्री सेल्सियस तापमान की आवशकता होती है इस तापमान पर इसकी अंकुरण क्षमता ठीक प्रकार से हो होती है। इसकी कम तापमान पर अंकुरण क्षमता अच्छी नहीं होती है इसलिए इसे गर्म जलवायु की फसल कहते है। मुखतय मक्का के लिए 24-30 डिग्री सेल्सियस तापमान उपयुक्त है इससे कम और अधिक तापमान होने पर इसके उत्पादन पर विपरीत प्रभाव होता है।

बुवाई का समय :- मक्का की बुवाई शरद ऋतु को छोड़कर वर्ष के सभी महीनो में की जा सकती है। इसकी बुवाई खरीफ ऋतु में जून से जुलाई तक की जाती है। रबी ऋतु में इसे अक्टूबर से नवम्वर तथा जायद या ग्रीष्म ऋतु में फरवरी से मार्च तक बुवाई की कीहै। इसकी समय पर बुवाई करने से इसकी बृद्धि एवं उपज दोनों अच्छी दर्ज की जाती है। मक्का, बीजदर(कि.ग्रा./हैक्टर) 20-25 kg , पंक्ति से पंक्ति और पौधे से पौधे की दूरी 60 x 20-25 cm और हरा चारा उत्पादन के लिए इसकी बीज दर प्रति हैक्टर 40 kg, पंक्ति से पंक्ति और पौधे से पौधे की दूरी 30 x10 cm

खाद और उर्वरक प्रबंधन (Fertilizer Management): मक्का की उन्नत खेती में उर्वरकों का बहुत महत्व है। इसके लिए प्रति एकड़ में 8-10 टन गोबर की खाद डालें, जो भूमि को उपजाऊ बनाने में मदद करता है।

क्र.	**रासायनिक खाद प्रति हेक्टेयर**	**नत्रजन (कि.ग्रा.)**	**फास्फोरस (कि.ग्रा.)**	**पोटाश (कि.ग्रा.)**
1	बुवाई के समय	30	60	40
2	15 दिन बाद	35	00	00
3	30 दिन बाद	35	00	00
	कुल	100	60	40

रोग और कीट नियंत्रण :- खाद के साथ फरटेरा (डूपोंड) 4 किलो प्रति एकडं अथवा व्हर्टिको (सिंजेंटा) 2.5 किलो प्रति एकडं इस प्रमाण से एस्तेमाल करणे से 21 दिन तक रस चुसानेवाले किट से संरक्षण मिलता है.

क्र.	**कीट और रोग**	**नियंत्रण**	**मात्रा प्रति ली पाणी में**
1	कॉर्न ब्लाइट	साफ	02 ग्राम प्रति ली
2	लीफ ब्लाइट	कीटोशी	02 मि. ली प्रति ली
3	डाउनी मिल्ड्यू -	रिडोमिल गोल्ड	02 ग्राम प्रति ली
4	चारकोल रॉट -	रोको	02 ग्राम प्रति ली
5	रस्ट रोग-	इंडोफिल	02 ग्राम प्रति ली
6	कॉर्न बोरर	फोरटेनज़ा डुओ	06 मि. ली प्रति किग्रा (बीज उपचार)
		कोराजन	05 मि.ली. प्रति 15 ली.
7	माहू,	कॉन्फीडॉर	0.5 मि. ली प्रति ली
8	लीफ हॉपर	ॲक्टरा	06 ग्राम प्रति 15 ली
9	फॉल आर्मी वर्म	फोरटेनज़ा डुओ	06 मि. ली प्रति किग्रा (बीज उपचार)
		ट्रेसर	05 मि.ली. प्रति 15 ली.

सिंचाई प्रबंधन (Irrigation Management): मक्का की खेती में सिंचाई का सही प्रबंधन अत्यंत महत्वपूर्ण है। खरीफ मौसम में यदि प्राकृतिक वर्षा पर्याप्त न हो, तो सिंचाई की आवश्यकता अनुसार की जानी चाहिए। रबी मौसम में मीठे मक्का को 4-6 बार सिंचाई की जरूरत होती है, विशेष रूप से नरमंझरी आने और दाने में दूधिया अवस्था के दौरान। सिंचाई के लिए ड्रिप इरीगेशन प्रणाली सबसे उपयुक्त है, क्योंकि इससे पानी की बचत होती है और पौधों को समान रूप से पानी मिलता है। सिंचाई के दौरान खेत में जल निकासी की व्यवस्था का ध्यान रखें, ताकि पानी जमा न हो और फसल को नुकसान न पहुंचे। भारी मिट्टी में 4-5 सिंचाई और हल्की मिट्टी में 7-8 सिंचाई की आवश्यकता होती है।

खरपतवार प्रबंधन (Weed Management): मक्का की फसल में खरपतवारों का नियंत्रण बहुत जरूरी है, क्योंकि ये फसल के पोषक तत्वों का उपयोग करती हैं और फसल की वृद्धि पर असर डालती हैं। खरपतवारों को नियंत्रित करने के लिए खेत की नियमित सफाई और निराई-गुड़ाई करें। इसके अलावा, खरपतवार नाशक दवाओं का उपयोग से खरपतवार आसानी से नष्ट हो जाते हैं और फसल की अच्छी वृद्धि होती है।

अनाज फसल की कटाई : जिन भुट्टे का उपयोग अनाज के रूप में किया काम में लिए जाता है तो उन भुट्टे को सुखा लेते है जिनमे लगभग 20% नमी की मात्रा हो तो फसल को काटनी चाहिए। मिश्रित और उच्च उपज देने वाली किस्मों के अनाज में उपस्थिति भ्रामक हो सकती है। क्योंकि अनाज सूख जाते हैं जबकि डंठल और पत्तियां अभी भी हरे रहते हैं। बीज को खड़ी फसल में से ही अलग कर लिया जाता है। और ढाने निकालने से पहले से उन भुट्टे को भली भाती से सूखा लेते है, जिसके कारण अनाज ख़राब नहीं होता है। भुट्टे में 20% से ज्यादा नमी होगी तो अनाज खारब होने का डर होता है। अनाज उत्पादन के लिए मक्का की कटाई का उपयुक्त समय होता है। जब भुट्टे के दानों में नमि 20% से अधिक न हो तथा दाना सामान्यत: सूखा होता है।
चारा फसल की कटाई एवं उपज : अच्छी गुणवत्ता का हरा चारा प्राप्त करने के लिए इसकी कटाई 50 % पुष्पावस्था से लेकर दुग्धावस्था के मध्य में की जाती है। जिससे अधिक उपज प्राप्त होता है। इस प्रकार इसकी सही समय पर उपयुक्त प्रबंधन जैसे बुवाई, खरपतवार नियंत्रण, कीटनाशी एवं कटाई सही समय पर करने से इसकी उपज लगभग 40 से 50 टन/हैक्टर तक दर्ज की जाती है।

टिपण्णी :- उपरोक्त सभी जाणकारीया हमारे अनुसंधान केंद्र पर किये गये प्रयोग पर आधारित है. भिन्न स्थानो पर भिन्न मौसम, भूमी प्रकार एवं ऋतू के कारण उपरोक्त जाणकारी मे बदलाव आ सकता है.

Markfield Hybrid Seeds Pvt. Ltd.
B-3, Additional MIDC, Chh. Sambhaji Nagar Road, Jalna,
Customer Care Mobile No. 9405782668

Maize

Hybrid/ Varieties:- African tall, Seedco Hybrid Maize-07, Hybrid Maize-09.

Soil:- Sandy loam or clay soil with good drainage is best for the cultivation of corn. For this, the pH value of the soil should be 5.5 to 7.0. It can also be grown well in sandy soil, just the drainage system should be good, because water logging can affect the growth of plants.

Climate:- Hot and humid climate is good for the cultivation of Maize. This crop grows best in temperatures ranging from 18°C to 30°C. It requires abundant sunlight and regular rains, so that the plants can grow properly. Therefore, this crop is planted especially during monsoon and hot season.

Sowing Time: For grain, sowing is typically done in June-July (Kharif) in the plains, with Rabi and summer cultivation possible in South India and with irrigation. For fodder, sowing can be done from March to September.

Seed Rate and Spacing: For grain, 20-25 kg/ha is sufficient, with row-to-row spacing of 60 cm and plant-to-plant spacing of 20-25 cm. For fodder, a seed rate of 40 kg/ha with spacing of 15 cm between seeds within a 30 cm row is recommended

Manure and Fertilizer Management: Fertilizers are very important in advanced cultivation of corn. For this, add 8-10 tons of cow dung manure per acre, which helps in making the land fertile.

Sr. No.	Chemical fertilizers per hectare	Nitrogen (kg)	Phosphorus (kg)	Potash (kg)
1	At the time of sowing	30	60	40
2	After 15 days	35	00	00
3	After 30 days	35	00	00
	Total	100	60	40

Disease And Pest Control :- Using Fertera (Dupond) 4 kg per acre or Vertico (Syngenta) 2.5 kg per acre with manure gives protection from sucking insects for 21 days.

Sr. No.	Disease/Pest	Control	Amount Per Liter Of Water
1	Corn Blight	SAAF	02 grams per liter
2	Leaf Blight	KITOSHI	02 ml. per liter
3	Downy Mildew -	RIDOMIL GOLD	02 grams per liter
4	Charcoal Rot -	ROKO	02 grams per liter
5	Rust Diseases -	INDOFIL	02 grams per liter
6	Corn Borer	FORTENZA DUO	06 ml. li per kg during (seed treatment)
		CORAZON	05 ml per 15 litres.
7	Aphid,	CONFIDOR	0.5 ml per liter
8	Leaf Hopper	ACTERRA	06 grams per 15 liters
9	Fall Army Worm	FORTENZA DUO	06 ml. li per kg during (seed treatment)
		TRACER	05 ml per 15 litres.

Irrigation Management: Proper management of irrigation is very important in Maize cultivation. If natural rainfall is not sufficient in Kharif season, then irrigation should be done as per requirement. Maize needs 4-6 irrigations during the Rabi season, especially during the germination and milky stages of the grain. Drip irrigation system is most suitable for irrigation, as it saves water and the plants get water evenly. During irrigation, take care of the drainage system in the field, so that water does not accumulate and damage the crop. 4-5 irrigations are required in heavy soil and 7-8 irrigations in light soil.

Weed Management: Weed control is very important in Maize crop, as they use the nutrients of the crop and affect the growth of the crop. To control weeds, clean and weed the field regularly. Apart from this, the use of weedicide drugs destroys weeds easily and the crop grows well.
Weed control in Maize crop-
1. To control the weed problem in Maize crop, regularly hoe the field and use weedicide medicines like-
2. Bayer Laudis Herbicide- Spray Laudis Herbicide Tembotrione 42% SC 150 ml per acre.

Harvesting: For grain, maize is harvested when the kernels are fully mature and dry. For fodder, harvest when the cob is in the milky stage or at the appropriate stage for the intended use (e.g., green fodder, silage).

Note:- All the above information is based on the experiment done at our research center. The above information may change due to different weather, soil type and season at different places.

seedco
Quality Seeds

માર્કફિલ્ડ હાઇબ્રિડ સીડ્સ પ્રાઇવેટ લિમિટેડ
બી-૩, એડિશનલ એમઆઇડીસી, છત્રી સંભાજી નગર રોડ, જાલના,
કસ્ટમર કેર મોબાઇલ નંબર ૯૪૦૫૭૮૨૬૬૮

મકાઇ

હાઇબ્રિડ/જાતો:- આફ્રિકન ટોલ, સીડકો હાઇબ્રિડ મકાઇ-૦૭, હાઇબ્રિડ મકાઇ-૦૯.
માટી:- મકાઈની ખેતી માટે સારા ડ્રેનેજવાળી રેતાળ લોમ અથવા માટીની માટી શ્રેષ્ઠ છે. આ માટે, માટીનું pH મૂલ્ય ૫.૫ થી ૭.૦ હોવું જોઈએ. તે રેતાળ જમીનમાં પણ સારી રીતે ઉગાડી શકાય છે, ફક્ત ડ્રેનેજ સિસ્ટમ સારી હોવી જોઈએ, કારણ કે પાણી ભરાવાથી છોડના વિકાસ પર અસર પડી શકે છે.
આબોહવા:- ગરમ અને ભેજવાળી આબોહવા મકાઈની ખેતી માટે સારી છે. આ પાક ૧૮°C થી ૩૦°C તાપમાનમાં શ્રેષ્ઠ રીતે ઉગે છે. તેને પુષ્કળ સૂર્યપ્રકાશ અને નિયમિત વરસાદની જરૂર પડે છે, જેથી છોડ યોગ્ય રીતે વિકાસ કરી શકે. તેથી, આ પાક ખાસ કરીને ચોમાસા અને ગરમીની ઋતુમાં વાવવામાં આવે છે.
વાવણીનો સમય: અનાજ માટે, વાવણી સામાન્ય રીતે મેદાની વિસ્તારોમાં જૂન-જુલાઈ (ખરીફ) માં કરવામાં આવે છે, દક્ષિણ ભારતમાં રવિ અને ઉનાળુ વાવેતર શક્ય છે અને સિંચાઈ સાથે. ઘાસચારો માટે, વાવણી માર્ચથી સપ્ટેમ્બર દરમિયાન કરી શકાય છે.

બીજ દર અને અંતર: અનાજ માટે, 20-25 કિગ્રા/હેક્ટર પૂરતું છે, જેમાં પંક્તિ-થી-હરોળનું અંતર 60 સેમી અને છોડ-થી-છોડનું અંતર 20-25 સેમી છે. ઘાસચારો માટે, 30 સેમી હરોળમાં બીજ વચ્ચે 15 સેમી અંતર સાથે 40 કિગ્રા/હેક્ટર બીજ દર રાખવાની ભલામણ કરવામાં આવે છે.
ખાતર અને ખાતર વ્યવસ્થાપન: મકાઈની અદ્યતન ખેતીમાં ખાતર ખૂબ જ મહત્વપૂર્ણ છે. આ માટે, પ્રતિ એકર 8-10 ટન ગાયનું છાણ ખાતર ઉમેરો, જે જમીનને ફળદ્રુપ બનાવવામાં મદદ કરે છે.

Sr. No.	Chemical fertilizers per hectare	Nitrogen (kg)	Phosphorus (kg)	Potash (kg)
1	At the time of sowing	30	60	40
2	After 15 days	35	00	00
3	After 30 days	35	00	00
	Total	100	60	40

રોગ અને જીવાત નિયંત્રણ :- ફર્ટેરા (ડુપોન્ડ) ૪ કિલો પ્રતિ એકર અથવા વર્ટીકો (સિંજેન્ટા) ૨.૫ કિલો પ્રતિ એકર ખાતર સાથે વાપરવાથી ૨૧ દિવસ સુધી ચૂસીયા જંતુઓથી રક્ષણ મળે છે.

Sr. No.	Disease/Pest	Control	Amount Per Liter Of Water
1	Corn Blight	SAAF	02 grams per liter
2	Leaf Blight	KITOSHI	02 ml. per liter
3	Downy Mildew -	RIDOMIL GOLD	02 grams per liter
4	Charcoal Rot -	ROKO	02 grams per liter
5	Rust Diseases -	INDOFIL	02 grams per liter
6	Corn Borer	FORTENZA DUO	06 ml. li per kg during (seed treatment)
		CORAZON	05 ml per 15 litres.
7	Aphid,	CONFIDOR	0.5 ml per liter
8	Leaf Hopper	ACTERRA	06 grams per 15 liters
9	Fall Army Worm	FORTENZA DUO	06 ml. li per kg during (seed treatment)
		TRACER	05 ml per 15 litres.

સિંચાઈ વ્યવસ્થાપન: મકાઈની ખેતીમાં સિંચાઈનું યોગ્ય સંચાલન ખૂબ જ મહત્વપૂર્ણ છે. જો ખરીફ ઋતુમાં કુદરતી વરસાદ પૂરતો ન હોય, તો જરૂરિયાત મુજબ સિંચાઈ કરવી જોઈએ. રવિ ઋતુ દરમિયાન મકાઈને ૪-૬ સિંચાઈની જરૂર પડે છે, ખાસ કરીને અનાજના અંકુરણ અને દૂધિયા તબક્કા દરમિયાન. ટપક સિંચાઈ પદ્ધતિ સિંચાઈ માટે સૌથી યોગ્ય છે, કારણ કે તે પાણીની બચત કરે છે અને છોડને સરખી રીતે પાણી મળે છે. સિંચાઈ દરમિયાન, ખેતરમાં ડ્રેનેજ સિસ્ટમનું ધ્યાન રાખો, જેથી પાણી એકઠું ન થાય અને પાકને નુકસાન ન થાય. ભારે જમીનમાં 4-5 સિંચાઇ અને હળવી જમીનમાં 7-8 સિંચાઇ જરૂરી છે.

નીંદણ વ્યવસ્થાપન: મકાઈના પાકમાં નીંદણ નિયંત્રણ ખૂબ જ મહત્વપૂર્ણ છે, કારણ કે તે પાકના પોષક તત્વોનો ઉપયોગ કરે છે અને પાકના વિકાસને અસર કરે છે. નીંદણ નિયંત્રણ માટે, નિયમિતપણે ખેતર સાફ કરો અને નીંદણ દૂર કરો. આ ઉપરાંત, નીંદણનાશક દવાઓનો ઉપયોગ નીંદણનો સરળતાથી નાશ કરે છે અને પાક સારી રીતે ઉગે છે.

મકાઈના પાકમાં નીંદણ નિયંત્રણ-
1. મકાઈના પાકમાં નીંદણની સમસ્યાને નિયંત્રિત કરવા માટે, નિયમિતપણે ખેતરમાં ખોદકામ કરો અને નીંદણનાશક દવાઓનો ઉપયોગ કરો જેમ કે-
2. બેયર લૉડિસ હર્બિસાઇડ- લૉડિસ હર્બિસાઇડ ટેમ્બોટ્રિઓન 42% SC 150 મિલી પ્રતિ એકર છંટકાવ કરો.

લણણી: અનાજ માટે, મકાઈની લણણી ત્યારે કરવામાં આવે છે જ્યારે દાણા સંપૂર્ણપણે પરિપક્વ અને સુકાઈ જાય છે. ચારા માટે, જ્યારે ગાંજો દૂધિયા તબક્કામાં હોય અથવા ઇચ્છિત ઉપયોગ માટે યોગ્ય તબક્કામાં હોય (દા.ત., લીલો ચારો, સાઇલેજ) ત્યારે કાપણી કરો.

નોંધ:- ઉપરોક્ત બધી માહિતી અમારા સંશોધન કેન્દ્રમાં કરવામાં આવેલા પ્રયોગ પર આધારિત છે. ઉપરોક્ત માહિતી વિવિધ સ્થળોએ અલગ અલગ હવામાન, માટીના પ્રકાર અને ઋતુને કારણે બદલાઈ શકે છે.

మార్క్‌ఫీల్డ్ హైబ్రిడ్ సీడ్స్ ప్రైవేట్ లిమిటెడ్.
B-3, అదనపు MIDC, Chh. సంభాజీ నగర్ రోడ్, జల్నా,

కస్టమర్ కేర్ మొబైల్ నం. 9405782668

మొక్కజొన్న

హైబ్రిడ్/ రకాలు:- ఆఫ్రికన్ పొడవైన, సీడ్కో హైబ్రిడ్ మొక్కజొన్న-07, హైబ్రిడ్ మొక్కజొన్న-09.

నేల:- మంచి నీటి పారుదల ఉన్న ఇసుక లోమ్ లేదా బంకమట్టి నేల మొక్కజొన్న సాగుకు ఉత్తమం. దీని కోసం, నేల యొక్క pH విలువ 5.5 నుండి 7.0 వరకు ఉండాలి. ఇసుక నేలలో కూడా దీనిని బాగా పెంచవచ్చు, కేవలం డ్రైనేజీ వ్యవస్థ బాగా ఉండాలి, ఎందుకంటే నీరు నిలిచిపోవడం మొక్కల పెరుగుదలను ప్రభావితం చేస్తుంది.

వాతావరణ:- మొక్కజొన్న సాగుకు వేడి మరియు తేమతో కూడిన వాతావరణం మంచిది. ఈ పంట 18°C నుండి 30°C వరకు ఉష్ణోగ్రతలలో బాగా పెరుగుతుంది. దీనికి సమృద్ధిగా సూర్యరశ్మి మరియు క్రమం తప్పకుండా వర్షాలు అవసరం, తద్వారా మొక్కలు సరిగ్గా పెరుగుతాయి. అందువల్ల, ఈ పంటను ముఖ్యంగా వర్షాకాలం మరియు వేడి కాలంలో పండిస్తారు.
విత్తే సమయం: ధాన్యం కోసం, సాధారణంగా జూన్-జూలై (ఖరీఫ్)లో మైదాన ప్రాంతాలలో విత్తుతారు, దక్షిణ భారతదేశంలో రబీ మరియు వేసవి సాగుకు అవకాశం ఉంటుంది మరియు నీటిపారుదల ద్వారా చేయవచ్చు. పశుగ్రాసం కోసం, మార్చి నుండి సెప్టెంబర్ వరకు విత్తుకోవచ్చు.

విత్తన రేటు మరియు అంతరం: ధాన్యం కోసం, 20-25 కిలోలు/హెక్టారు సరిపోతుంది, వరుస నుండి వరుసకు 60 సెం.మీ దూరం మరియు మొక్క నుండి మొక్కకు 20-25 సెం.మీ దూరం ఉండాలి. పశుగ్రాసం కోసం, 40 కిలోలు/హెక్టారు విత్తన రేటు, 30 సెం.మీ వరుసలో విత్తనాల మధ్య 15 సెం.మీ దూరం ఉండాలి.

ఎరువు మరియు ఎరువుల నిర్వహణ: మొక్కజొన్న యొక్క ఆధునాతన సాగులో ఎరువులు చాలా ముఖ్యమైనవి. దీని కోసం, ఎకరానికి 8-10 టన్నుల ఆవు పేడ ఎరువును జోడించండి, ఇది భూమిని సారవంతం చేయడంలో సహాయపడుతుంది.

Sr. No.	Chemical fertilizers per hectare	Nitrogen (kg)	Phosphorus (kg)	Potash (kg)
1	At the time of sowing	30	60	40
2	After 15 days	35	00	00
3	After 30 days	35	00	00
	Total	100	60	40

వ్యాధి మరియు తెగులు నియంత్రణ :- ఎకరానికి ఫెర్టెరా (డూపాండ్) 4 కిలోలు లేదా ఎకరానికి వెర్టికో (సింజెంటా) 2.5 కిలోలు ఎరువుతో కలిపి వాడటం వలన 21 రోజుల పాటు పీల్చే కీటకాల నుండి రక్షణ లభిస్తుంది.

Sr. No.	Disease/Pest	Control	Amount Per Liter Of Water
1	Corn Blight	SAAF	02 grams per liter
2	Leaf Blight	KITOSHI	02 ml. per liter
3	Downy Mildew -	RIDOMIL GOLD	02 grams per liter
4	Charcoal Rot -	ROKO	02 grams per liter
5	Rust Diseases -	INDOFIL	02 grams per liter
6	Corn Borer	FORTENZA DUO	06 ml. li per kg during (seed treatment)
		CORAZON	05 ml per 15 litres.
7	Aphid,	CONFIDOR	0.5 ml per liter
8	Leaf Hopper	ACTERRA	06 grams per 15 liters
9	Fall Army Worm	FORTENZA DUO	06 ml. li per kg during (seed treatment)
		TRACER	05 ml per 15 litres.

నీటిపారుదల నిర్వహణ: మొక్కజొన్న సాగులో సరైన నీటిపారుదల నిర్వహణ చాలా ముఖ్యం. ఖరీఫ్ సీజన్‌లో సహజ వర్షపాతం సరిపోకపోతే, అవసరానికి అనుగుణంగా నీటిపారుదల చేయాలి. రబీ సీజన్‌లో మొక్కజొన్నకు 4-6 నీటిపారుదల అవసరం, ముఖ్యంగా ధాన్యం అంకురోత్పత్తి మరియు పాల దశలలో. బిందు సేద్యం పద్ధతి నీటిపారుదలకు అత్యంత అనుకూలమైనది, ఎందుకంటే ఇది నీటిని ఆదా చేస్తుంది మరియు మొక్కలకు సమానంగా నీరు లభిస్తుంది. నీటిపారుదల సమయంలో, పొలంలో డ్రైనేజీ వ్యవస్థను జాగ్రత్తగా చూసుకోండి, తద్వారా నీరు పేరుకుపోయి పంటకు నష్టం జరగదు. బరువైన నేలలో 4-5 నీటిపారుదలలు మరియు తేలికపాటి నేలలో 7-8 నీటిపారుదల అవసరం.

కలుపు నిర్వహణ: మొక్కజొన్న పంటలో కలుపు నియంత్రణ చాలా ముఖ్యం, ఎందుకంటే అవి పంట యొక్క పోషకాలను ఉపయోగిస్తాయి మరియు పంట పెరుగుదలను ప్రభావితం చేస్తాయి. కలుపు మొక్కలను నియంత్రించడానికి, పొలాన్ని క్రమం తప్పకుండా శుభ్రం చేసి కలుపు తీయండి. దీనితో పాటు, కలుపు మందుల వాడకం కలుపు మొక్కలను సులభంగా నాశనం చేస్తుంది మరియు పంట బాగా పెరుగుతుంది.

మొక్కజొన్న పంటలో కలుపు నియంత్రణ-

1. మొక్కజొన్న పంటలో కలుపు సమస్యను నియంత్రించడానికి, క్రమం తప్పకుండా పొలాన్ని తవ్వి కలుపు మందులను వాడండి-
2. బేయర్ లాడిస్ కలుపు సంహారకం- ఎకరానికి 150 మి.లీ. లాడిస్ కలుపు సంహారకం టెంబోట్రియోన్ 42% SC పిచికారీ చేయండి.

కోత: ధాన్యం కోసం, మొక్కజొన్న గింజలు పూర్తిగా పరిపక్వం చెంది ఎండినప్పుడు కోయబడుతుంది. పశుగ్రాసం కోసం, కంకులు పాల దశలో ఉన్నప్పుడు లేదా ఉద్దేశించిన ఉపయోగం కోసం తగిన దశలో ఉన్నప్పుడు (ఉదా., పచ్చి మేత, సైలేజ్) కోయండి.

గమనిక:- పైన పేర్కొన్న సమాచారం అంతా మా పరిశోధన కేంద్రంలో చేసిన ప్రయోగం ఆధారంగా ఉంటుంది. పైన పేర్కొన్న సమాచారం వేర్వేరు ప్రదేశాలలో వేర్వేరు వాతావరణం, నేల రకం మరియు సీజన్ కారణంగా మారవచ్చు.

ಮಾರ್ಕ್‌ಫೀಲ್ಡ್ ಹೈಬ್ರಿಡ್ ಸೀಡ್ಸ್ ಪ್ರೈ. ಲಿಮಿಟೆಡ್.
B-3, ಹೆಚ್ಚುವರಿ MIDC, ಛ. ಸಂಭಾಜಿ ನಗರ ರಸ್ತೆ, ಜಲ್ನಾ,

ಕಸ್ಟಮರ್ ಕೇರ್ ಮೊಬೈಲ್ ಸಂಖ್ಯೆ. 9405782668

ಮೆಕ್ಕೆಜೋಳ

ಹೈಬ್ರಿಡ್/ ಪ್ರಭೇದಗಳು:- ಆಫ್ರಿಕನ್ ಎತ್ತರದ, ಸೀಡ್ಕೊ ಹೈಬ್ರಿಡ್ ಮೆಕ್ಕೆಜೋಳ-07, ಹೈಬ್ರಿಡ್ ಮೆಕ್ಕೆಜೋಳ-09.

ಮಣ್ಣು:- ಮರಳು ಮಿಶ್ರಿತ ಲೋಮ್ ಅಥವಾ ಉತ್ತಮ ಒಳಚರಂಡಿ ಹೊಂದಿರುವ ಜೇಡಿಮಣ್ಣಿನ ಮಣ್ಣು ಜೋಳದ ಕೃಷಿಗೆ ಉತ್ತಮವಾಗಿದೆ. ಇದಕ್ಕಾಗಿ, ಮಣ್ಣಿನ pH ಮೌಲ್ಯವು 5.5 ರಿಂದ 7.0 ಆಗಿರಬೇಕು. ಇದನ್ನು ಮರಳು ಮಣ್ಣಿನಲ್ಲಿಯೂ ಚೆನ್ನಾಗಿ ಬೆಳೆಯಬಹುದು, ಒಳಚರಂಡಿ ವ್ಯವಸ್ಥೆಯು ಉತ್ತಮವಾಗಿರಬೇಕು, ಏಕೆಂದರೆ ನೀರು ನಿಲ್ಲುವುದು ಸಸ್ಯಗಳ ಬೆಳವಣಿಗೆಯ ಮೇಲೆ ಪರಿಣಾಮ ಬೀರುತ್ತದೆ.

ಹವಾಮಾನ:- ಬಿಸಿ ಮತ್ತು ಆರ್ದ್ರ ವಾತಾವರಣವು ಮೆಕ್ಕೆಜೋಳ ಕೃಷಿಗೆ ಒಳ್ಳೆಯದು. ಈ ಬೆಳೆ 18°C ನಿಂದ 30°C ವರೆಗಿನ ತಾಪಮಾನದಲ್ಲಿ ಉತ್ತಮವಾಗಿ ಬೆಳೆಯುತ್ತದೆ. ಇದಕ್ಕೆ ಹೇರಳವಾದ ಸೂರ್ಯನ ಬೆಳಕು ಮತ್ತು ನಿಯಮಿತ ಮಳೆಯ ಅಗತ್ಯವಿರುತ್ತದೆ, ಇದರಿಂದ ಸಸ್ಯಗಳು ಸರಿಯಾಗಿ ಬೆಳೆಯುತ್ತವೆ. ಆದ್ದರಿಂದ, ಈ ಬೆಳೆಯನ್ನು ವಿಶೇಷವಾಗಿ ಮಾನ್ಸೂನ್ ಮತ್ತು ಬೇಸಿಗೆಯ ಋತುವಿನಲ್ಲಿ ನೆಡಲಾಗುತ್ತದೆ.

ಬಿತ್ತನೆ ಸಮಯ: ಧಾನ್ಯಗಳಿಗೆ, ಸಾಮಾನ್ಯವಾಗಿ ಜೂನ್-ಜುಲೈ (ಖಾರಿಫ್) ನಲ್ಲಿ ಬಯಲು ಪ್ರದೇಶಗಳಲ್ಲಿ ಬಿತ್ತನೆ ಮಾಡಲಾಗುತ್ತದೆ, ದಕ್ಷಿಣ ಭಾರತದಲ್ಲಿ ರಬಿ ಮತ್ತು ಬೇಸಿಗೆ ಕೃಷಿ ಸಾಧ್ಯ ಮತ್ತು ನೀರಾವರಿಯೊಂದಿಗೆ. ಮೇವಿಗೆ, ಮಾರ್ಚ್ ನಿಂದ ಸೆಪ್ಟೆಂಬರ್ ವರೆಗೆ ಬಿತ್ತನೆ ಮಾಡಬಹುದು.

ಬೀಜದ ಪ್ರಮಾಣ ಮತ್ತು ಅಂತರ: ಧಾನ್ಯಕ್ಕೆ, 20-25 ಕೆಜಿ/ಹೆಕ್ಟೇರ್ ಸಾಕು, ಸಾಲಿನಿಂದ ಸಾಲಿಗೆ 60 ಸೆಂ.ಮೀ ಅಂತರ ಮತ್ತು ಸಸ್ಯದಿಂದ ಸಸ್ಯಕ್ಕೆ 20-25 ಸೆಂ.ಮೀ ಅಂತರ. ಮೇವಿಗೆ, 40 ಕೆಜಿ/ಹೆಕ್ಟೇರ್ ಬೀಜದ ದರವನ್ನು 30 ಸೆಂ.ಮೀ ಸಾಲಿನೊಳಗಿನ ಬೀಜಗಳ ನಡುವೆ 15 ಸೆಂ.ಮೀ ಅಂತರದೊಂದಿಗೆ ಶಿಫಾರಸು ಮಾಡಲಾಗಿದೆ.

ಗೊಬ್ಬರ ಮತ್ತು ರಸಗೊಬ್ಬರ ನಿರ್ವಹಣೆ: ಜೋಳದ ಮುಂದುವರಿದ ಕೃಷಿಯಲ್ಲಿ ರಸಗೊಬ್ಬರಗಳು ಬಹಳ ಮುಖ್ಯ. ಇದಕ್ಕಾಗಿ, ಎಕರೆಗೆ 8-10 ಟನ್ ಹಸುವಿನ ಗೊಬ್ಬರವನ್ನು ಸೇರಿಸಿ, ಇದು ಭೂಮಿಯನ್ನು ಫಲವತ್ತಾಗಿಸಲು ಸಹಾಯ ಮಾಡುತ್ತದೆ.

Sr. No.	Chemical fertilizers per hectare	Nitrogen (kg)	Phosphorus (kg)	Potash (kg)
1	At the time of sowing	30	60	40
2	After 15 days	35	00	00
3	After 30 days	35	00	00
	Total	100	60	40

ರೋಗ ಮತ್ತು ಕೀಟ ನಿಯಂತ್ರಣ :- ಎಕರೆಗೆ ಫರ್ಟೆರಾ (ಡುಪಾಂಡ್) 4 ಕೆಜಿ ಅಥವಾ ಗೊಬ್ಬರದೊಂದಿಗೆ ಎಕರೆಗೆ 2.5 ಕೆಜಿ ವರ್ಟಿಕೊ (ಸಿಂಜೆಂಟಾ) ಬಳಸುವುದರಿಂದ 21 ದಿನಗಳವರೆಗೆ ಕೀಟಗಳನ್ನು ಹೀರುವುದರಿಂದ ರಕ್ಷಣೆ ಸಿಗುತ್ತದೆ.

Sr. No.	Disease/Pest	Control	Amount Per Liter Of Water
1	Corn Blight	SAAF	02 grams per liter
2	Leaf Blight	KITOSHI	02 ml. per liter
3	Downy Mildew -	RIDOMIL GOLD	02 grams per liter
4	Charcoal Rot -	ROKO	02 grams per liter
5	Rust Diseases -	INDOFIL	02 grams per liter
6	Corn Borer	FORTENZA DUO	06 ml. li per kg during (seed treatment)
		CORAZON	05 ml per 15 litres.
7	Aphid,	CONFIDOR	0.5 ml per liter
8	Leaf Hopper	ACTERRA	06 grams per 15 liters
9	Fall Army Worm	FORTENZA DUO	06 ml. li per kg during (seed treatment)
		TRACER	05 ml per 15 litres.

ನೀರಾವರಿ ನಿರ್ವಹಣೆ: ಮೆಕ್ಕೆಜೋಳ ಕೃಷಿಯಲ್ಲಿ ನೀರಾವರಿಯ ಸರಿಯಾದ ನಿರ್ವಹಣೆ ಬಹಳ ಮುಖ್ಯ. ಖಾರಿಫ್ ಋತುವಿನಲ್ಲಿ ನೈಸರ್ಗಿಕ ಮಳೆ ಸಾಕಾಗದಿದ್ದರೆ, ಅವಶ್ಯಕತೆಗೆ ಅನುಗುಣವಾಗಿ ನೀರಾವರಿ ಮಾಡಬೇಕು. ರಬಿ ಋತುವಿನಲ್ಲಿ, ವಿಶೇಷವಾಗಿ ಧಾನ್ಯದ ಮೊಳಕೆಯೊಡೆಯುವಿಕೆ ಮತ್ತು ಹಾಲಿನ ಹಂತಗಳಲ್ಲಿ ಮೆಕ್ಕೆಜೋಳಕ್ಕೆ 4-6 ನೀರಾವರಿ ಅಗತ್ಯವಿದೆ. ಹನಿ ನೀರಾವರಿ ವ್ಯವಸ್ಥೆಯು ನೀರಾವರಿಗೆ ಅತ್ಯಂತ ಸೂಕ್ತವಾಗಿದೆ, ಏಕೆಂದರೆ ಇದು ನೀರನ್ನು ಉಳಿಸುತ್ತದೆ ಮತ್ತು ಸಸ್ಯಗಳಿಗೆ ಸಮವಾಗಿ ನೀರು ಸಿಗುತ್ತದೆ. ನೀರಾವರಿ ಸಮಯದಲ್ಲಿ, ಹೊಲದಲ್ಲಿನ ಒಳಚರಂಡಿ ವ್ಯವಸ್ಥೆಯನ್ನು ನೋಡಿಕೊಳ್ಳಿ, ಇದರಿಂದ ನೀರು ಸಂಗ್ರಹವಾಗಿ ಬೆಳೆಗೆ ಹಾನಿಯಾಗುವುದಿಲ್ಲ. ಭಾರವಾದ ಮಣ್ಣಿನಲ್ಲಿ 4-5 ನೀರಾವರಿ ಮತ್ತು ಹಗುರವಾದ ಮಣ್ಣಿನಲ್ಲಿ 7-8 ನೀರಾವರಿ ಅಗತ್ಯವಿದೆ.

ಕಳೆ ನಿರ್ವಹಣೆ: ಮೆಕ್ಕೆ ಜೋಳದ ಬೆಳೆಯಲ್ಲಿ ಕಳೆ ನಿಯಂತ್ರಣ ಬಹಳ ಮುಖ್ಯ, ಏಕೆಂದರೆ ಅವು ಬೆಳೆಯ ಪೋಷಕಾಂಶಗಳನ್ನು ಬಳಸುತ್ತವೆ ಮತ್ತು ಬೆಳೆಯ ಬೆಳವಣಿಗೆಯ ಮೇಲೆ ಪರಿಣಾಮ ಬೀರುತ್ತವೆ. ಕಳೆಗಳನ್ನು ನಿಯಂತ್ರಿಸಲು, ಹೊಲವನ್ನು ನಿಯಮಿತವಾಗಿ ಸ್ವಚ್ಛಗೊಳಿಸಿ ಮತ್ತು ಕಳೆ ತೆಗೆಯಿರಿ. ಇದರ ಹೊರತಾಗಿ, ಕಳೆನಾಶಕ ಔಷಧಿಗಳ ಬಳಕೆಯು ಕಳೆಗಳನ್ನು ಸುಲಭವಾಗಿ ನಾಶಪಡಿಸುತ್ತದೆ ಮತ್ತು ಬೆಳೆ ಚೆನ್ನಾಗಿ ಬೆಳೆಯುತ್ತದೆ.

ಮೆಕ್ಕೆ ಜೋಳದ ಬೆಳೆಯಲ್ಲಿ ಕಳೆ ನಿಯಂತ್ರಣ-

1. ಮೆಕ್ಕೆ ಜೋಳದ ಬೆಳೆಯಲ್ಲಿ ಕಳೆ ಸಮಸ್ಯೆಯನ್ನು ನಿಯಂತ್ರಿಸಲು, ನಿಯಮಿತವಾಗಿ ಹೊಲವನ್ನು ಗುದ್ದಲಿ ಮಾಡಿ ಮತ್ತು ಕಳೆನಾಶಕ ಔಷಧಿಗಳನ್ನು ಬಳಸಿ-
2. ಬೇಯರ್ ಲೌಡಿಸ್ ಕಳೆನಾಶಕ- ಲೌಡಿಸ್ ಕಳೆನಾಶಕ ಟೆಂಬೊಟ್ರಿಯೋನ್ 42% SC ಪ್ರತಿ ಎಕರೆಗೆ 150 ಮಿಲಿ ಸಿಂಪಡಿಸಿ.

ಕೊಯ್ಲು: ಧಾನ್ಯಕ್ಕಾಗಿ, ಕಾಳುಗಳು ಸಂಪೂರ್ಣವಾಗಿ ಪಕ್ವವಾದಾಗ ಮತ್ತು ಒಣಗಿದಾಗ ಕೊಯ್ಲು ಮಾಡಲಾಗುತ್ತದೆ. ಮೇವಿಗಾಗಿ, ಜೊಂಡು ಹಾಲಿನ ಹಂತದಲ್ಲಿದ್ದಾಗ ಅಥವಾ ಉದ್ದೇಶಿತ ಬಳಕೆಗೆ ಸೂಕ್ತವಾದ ಹಂತದಲ್ಲಿದ್ದಾಗ (ಉದಾ. ಹಸಿರು ಮೇವು, ಸೈಲೇಜ್) ಕೊಯ್ಲು ಮಾಡಿ.

ಗಮನಿಸಿ:- ಮೇಲಿನ ಎಲ್ಲಾ ಮಾಹಿತಿಯು ನಮ್ಮ ಸಂಶೋಧನಾ ಕೇಂದ್ರದಲ್ಲಿ ಮಾಡಿದ ಪ್ರಯೋಗವನ್ನು ಆಧರಿಸಿದೆ. ಮೇಲಿನ ಮಾಹಿತಿಯು ವಿಭಿನ್ನ ಸ್ಥಳಗಳಲ್ಲಿ ವಿಭಿನ್ನ ಹವಾಮಾನ, ಮಣ್ಣಿನ ಪ್ರಕಾರ ಮತ್ತು ಋತುವಿನ ಕಾರಣದಿಂದಾಗಿ ಬದಲಾಗಬಹುದು.

মাৰ্কফিল্ড হাইব্ৰিড ছিডছ প্ৰাইভেট লিমিটেড। লিমিটেড।
বি-৩, অতিৰিক্ত এম আই ডি চি, ছ. সম্ভাজী নগৰ ৰোড, জলনা,
গ্ৰাহক সেৱা মোবাইল নং ৯৪০৫৭৮২৬৬৮

কুঁহিয়াৰ

হাইব্ৰিড/ জাত:- আফ্ৰিকান ওখ, ছিডকো হাইব্ৰিড মাকৈ-০৭, হাইব্ৰিড মাকৈ-০৯।

মাটি:- কুঁহিয়াৰ খেতিৰ বাবে ভাল পানী নিষ্কাশন থকা বালিচহীয়া লোম বা মাটিৰ মাটি উত্তম। ইয়াৰ বাবে মাটিৰ পি এইচ মান ৫.৫ৰ পৰা ৭.০ হ'ব লাগে। বালিচহীয়া মাটিতো ইয়াক ভালদৰে খেতি কৰিব পাৰি, মাত্ৰ নিষ্কাশন ব্যৱস্থাটো ভাল হ'ব লাগে, কাৰণ পানীৰ কাটিলে গছৰ বৃদ্ধিত প্ৰভাৱ পৰিব পাৰে।

জলবায়ু:- গৰম আৰু আৰ্দ্ৰ জলবায়ু কুঁহিয়াৰ খেতিৰ বাবে ভাল। ১৮ ডিগ্ৰী চেলছিয়াছৰ পৰা ৩০ ডিগ্ৰী চেলছিয়াছলৈকে উষ্ণতাত এই শস্যৰ বৃদ্ধি সৰ্বোত্তম হয়। ইয়াৰ বাবে প্ৰচুৰ সূৰ্যৰ পোহৰ আৰু নিয়মীয়া বৰষুণৰ প্ৰয়োজন হয়, যাতে গছ-গছনিবোৰ সঠিকভাৱে বৃদ্ধি পাব পাৰে। সেয়েহে এই শস্য বিশেষকৈ বাৰিষা আৰু গৰমৰ দিনত ৰোপণ কৰা হয়।

বীজ সিঁচাৰ সময়: শস্যৰ বাবে সাধাৰণতে জুন-জুলাই (খাৰিফ) মাহত ভৈয়ামত বীজ সিঁচা হয়, দক্ষিণ ভাৰতত ৰবি আৰু গ্ৰীষ্মকালীন খেতি সম্ভৱ আৰু জলসিঞ্চনৰ দ্বাৰা। পশুখাদ্যৰ বাবে মাৰ্চৰ পৰা ছেপ্টেম্বৰ মাহলৈকে বীজ সিঁচা কৰিব পাৰি।

বীজৰ হাৰ আৰু ব্যৱধান: শস্যৰ বাবে ২০-২৫ কিলোগ্ৰাম/হেক্টৰ যথেষ্ট, শাৰীৰ পৰা শাৰীলৈ ৬০ চে.মি. আৰু উদ্ভিদৰ পৰা উদ্ভিদৰ ব্যৱধান ২০-২৫ চে.মি. খাদ্যৰ বাবে বীজৰ হাৰ ৪০ কিলোগ্ৰাম প্ৰতি হেক্টৰ আৰু বীজৰ মাজত ৩০ চে.মি

গোবৰ আৰু সাৰ ব্যৱস্থাপনাঃ কুঁহিয়াৰৰ উন্নত খেতিৰ ক্ষেত্ৰত সাৰ অতি গুৰুত্বপূৰ্ণ। ইয়াৰ বাবে প্ৰতি একৰত ৮-১০ টন গৰুৰ গোবৰ দিব লাগে, যাৰ ফলত মাটি উৰ্বৰ হোৱাত সহায় হয়।

Sr. No.	Chemical fertilizers per hectare	Nitrogen (kg)	Phosphorus (kg)	Potash (kg)
1	At the time of sowing	30	60	40
2	After 15 days	35	00	00
3	After 30 days	35	00	00
	Total	100	60	40

ৰোগ আৰু কীট-পতংগ নিয়ন্ত্ৰণ :- ফেৰটেৰা (ডুপণ্ড) প্ৰতি একৰত ৪ কেজি বা ভাৰ্টিকো (চিঞ্জেন্টা) ২.৫ কিলোগ্ৰাম প্ৰতি একৰত গোবৰৰ সৈতে ব্যৱহাৰ কৰিলে ২১ দিনলৈকে পোক-পৰুৱা চুহি খোৱাৰ পৰা সুৰক্ষা পোৱা যায়।

Sr. No.	Disease/Pest	Control	Amount Per Liter Of Water
1	Corn Blight	SAAF	02 grams per liter
2	Leaf Blight	KITOSHI	02 ml. per liter
3	Downy Mildew -	RIDOMIL GOLD	02 grams per liter
4	Charcoal Rot -	ROKO	02 grams per liter
5	Rust Diseases -	INDOFIL	02 grams per liter
6	Corn Borer	FORTENZA DUO	06 ml. li per kg during (seed treatment)
		CORAZON	05 ml per 15 litres.
7	Aphid,	CONFIDOR	0.5 ml per liter
8	Leaf Hopper	ACTERRA	06 grams per 15 liters
9	Fall Army Worm	FORTENZA DUO	06 ml. li per kg during (seed treatment)
		TRACER	05 ml per 15 litres.

জলসিঞ্চন ব্যৱস্থাপনাঃ কুঁহিয়াৰ খেতিৰ ক্ষেত্ৰত জলসিঞ্চনৰ সঠিক ব্যৱস্থাপনা অতি গুৰুত্বপূৰ্ণ। যদি খাৰিফ বতৰত প্ৰাকৃতিক বৰষুণ পৰ্যাপ্ত নহয়, তেন্তে প্ৰয়োজন অনুসৰি জলসিঞ্চন কৰিব লাগে। কুঁহিয়াৰৰ ৰবি বতৰত বিশেষকৈ শস্যৰ অংকুৰণ আৰু গাখীৰৰ দৰে অৱস্থাত ৪-৬টা জলসিঞ্চনৰ প্ৰয়োজন হয়। জলসিঞ্চনৰ বাবে ড্ৰিপ জলসিঞ্চন ব্যৱস্থা আটাইতকৈ উপযোগী, কিয়নো ইয়াৰ ফলত পানী ৰাহি হয় আৰু গছবোৰে সমানে পানী পায়। জলসিঞ্চনৰ সময়ত পথাৰত পানী নিষ্কাশন ব্যৱস্থাৰ যত্ন লওক, যাতে পানী জমা হৈ শস্যৰ ক্ষতি নহয়। গধুৰ মাটিত ৪-৫ টা আৰু লঘু মাটিত ৭-৮ টা জলসিঞ্চনৰ প্ৰয়োজন হয়।

অপতৃণ ব্যৱস্থাপনাঃ কুঁহিয়াৰৰ শস্যত অপতৃণ নিয়ন্ত্ৰণ অতি গুৰুত্বপূৰ্ণ, কিয়নো ই শস্যৰ পুষ্টিকৰ উপাদান ব্যৱহাৰ কৰে আৰু শস্যৰ বৃদ্ধিত প্ৰভাৱ পেলায়। অপতৃণ নিয়ন্ত্ৰণ কৰিবলৈ পথাৰখন নিয়মিতভাৱে পৰিষ্কাৰ কৰি অপতৃণ কৰা উচিত। ইয়াৰ বাহিৰেও অপতৃণনাশক ঔষধৰ ব্যৱহাৰে অপতৃণ সহজে ধ্বংস কৰে আৰু শস্য ভালদৰে বাঢ়ে।

কুঁহিয়াৰ শস্যত অপতৃণ নিয়ন্ত্ৰণ-

১) কুঁহিয়াৰৰ শস্যৰ অপতৃণৰ সমস্যা নিয়ন্ত্ৰণ কৰিবলৈ নিয়মিতভাৱে পথাৰত কোদাল কৰি অপতৃণনাশক ঔষধ যেনে-

২) বেয়াৰ লাউডিছ হাৰ্বিচাইড- স্প্ৰে' লাউডিছ হাৰ্বিচাইড টেম্ব'ট্ৰাইয়ন ৪২% এছ চি ১৫০ মিলিলিটাৰ প্ৰতি একৰত।

চপোৱা: শস্যৰ বাবে কুঁহিয়াৰৰ গুটি সম্পূৰ্ণ পূৰ্ণবয়স্ক আৰু শুকান হ'লে চপোৱা হয়। পশুখাদ্যৰ বাবে যেতিয়া কুকুৰাৰ পোৱালিটো গাখীৰৰ দৰে অৱস্থাত থাকে বা উদ্দেশ্যপ্ৰণোদিত ব্যৱহাৰৰ বাবে উপযুক্ত পৰ্যায়ত থাকে (যেনে, সেউজীয়া পশুখাদ্য, চাইলেজ)।

বি:দ্ৰ:- ওপৰৰ সকলো তথ্য আমাৰ গৱেষণা কেন্দ্ৰত কৰা পৰীক্ষাৰ ওপৰত ভিত্তি কৰি দিয়া হৈছে। বিভিন্ন স্থানত বিভিন্ন বতৰ, মাটিৰ প্ৰকাৰ আৰু ঋতুৰ বাবে উপৰোক্ত তথ্য সলনি হ'ব পাৰে।

seedco
Quality Seeds

মার্কফিল্ড হাইব্রিড সিডস প্রাইভেট লিমিটেড
বি-৩, অতিরিক্ত এমআইডিসি, ছা. সম্ভাজি নগর রোড, জালনা,
গ্রাহক সেবা মোবাইল নং ৯৪০৫৭৮২৬৬৮

ভুট্টা

হাইব্রিড/জাত:- আফ্রিকান লম্বা, সিডকো হাইব্রিড ভুট্টা-০৭, হাইব্রিড ভুট্টা-০৯।

মাটি:- ভাল নিষ্কাশন ব্যবস্থা সহ বেলে দোআঁশ বা এঁটেল মাটি ভুট্টা চাষের জন্য সবচেয়ে ভালো। এর জন্য, মাটির pH মান ৫.৫ থেকে ৭.০ হওয়া উচিত। এটি বালুকাময় মাটিতেও ভালোভাবে জন্মানো যেতে পারে, কেবল নিষ্কাশন ব্যবস্থা ভালো হওয়া উচিত, কারণ জলাবদ্ধতা গাছের বৃদ্ধিকে প্রভাবিত করতে পারে।

জলবায়ু:- গরম এবং আর্দ্র জলবায়ু ভুট্টা চাষের জন্য ভালো। এই ফসল ১৮°C থেকে ৩০°C তাপমাত্রায় সবচেয়ে ভালো জন্মে। এর জন্য প্রচুর সূর্যালোক এবং নিয়মিত বৃষ্টিপাত প্রয়োজন, যাতে গাছগুলি সঠিকভাবে বৃদ্ধি পেতে পারে। তাই, এই ফসলটি বিশেষ করে বর্ষা এবং গরম মৌসুমে রোপণ করা হয়।

বপনের সময়: শস্যের জন্য, সমভূমিতে সাধারণত জুন-জুলাই (খরিফ) মাসে বপন করা হয়, দক্ষিণ ভারতে রবি এবং গ্রীষ্মকালীন চাষ সম্ভব এবং সেচের মাধ্যমে। পশুখাদ্যের জন্য, মার্চ থেকে সেপ্টেম্বর পর্যন্ত বপন করা যেতে পারে।

বীজের হার এবং ব্যবধান: শস্যের জন্য, ২০-২৫ কেজি/হেক্টর যথেষ্ট, সারি থেকে সারি ব্যবধান ৬০ সেমি এবং গাছ থেকে গাছপালার ব্যবধান ২০-২৫ সেমি। পশুখাদ্যের জন্য, ৩০ সেমি সারির মধ্যে বীজের মধ্যে ১৫ সেমি ব্যবধান সহ ৪০ কেজি/হেক্টর বীজের হার সুপারিশ করা হয়।

সার এবং সার ব্যবস্থাপনা: ভুট্টার উন্নত চাষে সার অত্যন্ত গুরুত্বপূর্ণ। এর জন্য, প্রতি একরে ৮-১০ টন গোবর সার যোগ করুন, যা জমিকে উর্বর করতে সাহায্য করে।

Sr. No.	Chemical fertilizers per hectare	Nitrogen (kg)	Phosphorus (kg)	Potash (kg)
1	At the time of sowing	30	60	40
2	After 15 days	35	00	00
3	After 30 days	35	00	00
	Total	100	60	40

রোগ ও পোকামাকড় নিয়ন্ত্রণ :- প্রতি একরে ফেরটেরা (ডুপন্ড) ৪ কেজি অথবা প্রতি একরে ভার্টিকো (সিনজেন্টা) ২.৫ কেজি সারের সাথে ব্যবহার করলে ২১ দিনের জন্য চোষা পোকামাকড় থেকে সুরক্ষা পাওয়া যায়।

Sr. No.	Disease/Pest	Control	Amount Per Liter Of Water
1	Corn Blight	SAAF	02 grams per liter
2	Leaf Blight	KITOSHI	02 ml. per liter
3	Downy Mildew -	RIDOMIL GOLD	02 grams per liter
4	Charcoal Rot -	ROKO	02 grams per liter
5	Rust Diseases -	INDOFIL	02 grams per liter
6	Corn Borer	FORTENZA DUO	06 ml. li per kg during (seed treatment)
		CORAZON	05 ml per 15 litres.
7	Aphid,	CONFIDOR	0.5 ml per liter
8	Leaf Hopper	ACTERRA	06 grams per 15 liters
9	Fall Army Worm	FORTENZA DUO	06 ml. li per kg during (seed treatment)
		TRACER	05 ml per 15 litres.

সেচ ব্যবস্থাপনা: ভুট্টা চাষে সেচের সঠিক ব্যবস্থাপনা খুবই গুরুত্বপূর্ণ। খরিফ মৌসুমে যদি প্রাকৃতিক বৃষ্টিপাত পর্যাপ্ত না হয়, তাহলে প্রয়োজন অনুসারে সেচ দেওয়া উচিত। রবি মৌসুমে ভুট্টার ৪-৬টি সেচ প্রয়োজন, বিশেষ করে শস্যের অঙ্কুরোদগম এবং দুধের মতো পর্যায়ে। ড্রিপ সেচ ব্যবস্থা সেচের জন্য সবচেয়ে উপযুক্ত, কারণ এটি জল সাশ্রয় করে এবং গাছগুলি সমানভাবে জল পায়। সেচের সময়, জমিতে নিষ্কাশন ব্যবস্থার যত্ন নিন, যাতে জল জমে ফসলের ক্ষতি না হয়। ভারী মাটিতে ৪-৫টি এবং হালকা মাটিতে ৭-৮টি সেচ প্রয়োজন।

আগাছা ব্যবস্থাপনা: ভুট্টা ফসলে আগাছা নিয়ন্ত্রণ খুবই গুরুত্বপূর্ণ, কারণ তারা ফসলের পুষ্টি ব্যবহার করে এবং ফসলের বৃদ্ধিকে প্রভাবিত করে। আগাছা নিয়ন্ত্রণের জন্য, নিয়মিত ক্ষেত পরিষ্কার করুন এবং আগাছা নিধন করুন। এ ছাড়া, আগাছা নাশক ওষুধ ব্যবহার করলে আগাছা সহজেই ধ্বংস হয় এবং ফসল ভালোভাবে বৃদ্ধি পায়।

ভুট্টা ফসলে আগাছা নিয়ন্ত্রণ-
১. ভুট্টা ফসলে আগাছা সমস্যা নিয়ন্ত্রণের জন্য, নিয়মিত ক্ষেত খুঁড়ুন এবং আগাছা নাশক ওষুধ ব্যবহার করুন যেমন-
২. বেয়ার লাউডিস হার্বিসাইড- লাউডিস হার্বিসাইড টেম্বোট্রিওন ৪২% এসসি ১৫০ মিলি প্রতি একর স্প্রে করুন।

ফসল সংগ্রহ: শস্যের জন্য, ভুট্টা সম্পূর্ণরূপে পরিপক্ক এবং শুকিয়ে গেলে কাটা হয়। পশুখাদ্যের জন্য, যখন ছানা দুধের মতো অবস্থায় থাকে অথবা ব্যবহারের জন্য উপযুক্ত পর্যায়ে থাকে (যেমন, সবুজ পশুখাদ্য, সাইলেজ) তখন ফসল সংগ্রহ করুন।

বিঃদ্রঃ:- উপরের সমস্ত তথ্য আমাদের গবেষণা কেন্দ্রে করা পরীক্ষার উপর ভিত্তি করে। বিভিন্ন স্থানে বিভিন্ন আবহাওয়া, মাটির ধরণ এবং ঋতুর কারণে উপরের তথ্য পরিবর্তিত হতে পারে।

seedco
Quality Seeds

ਮਾਰਕਫੀਲਡ ਹਾਈਬ੍ਰਿਡ ਸੀਡਜ਼ ਪ੍ਰਾਈਵੇਟ ਲਿਮਟਿਡ
ਬੀ-3, ਐਡੀਸ਼ਨਲ ਐਮਆਈਡੀਸੀ, ਛ. ਸੰਭਾਜੀ ਨਗਰ ਰੋਡ, ਜਾਲਨਾ,
ਕਸਟਮਰ ਕੇਅਰ ਮੋਬਾਈਲ ਨੰਬਰ 9405782668

ਮੱਕੀ

ਹਾਈਬ੍ਰਿਡ/ ਕਿਸਮਾਂ:- ਅਫਰੀਕੀ ਲੰਬਾ, ਸੀਡਕੋ ਹਾਈਬ੍ਰਿਡ ਮੱਕੀ-07, ਹਾਈਬ੍ਰਿਡ ਮੱਕੀ-09।

ਮਿੱਟੀ:- ਚੰਗੀ ਨਿਕਾਸੀ ਵਾਲੀ ਰੇਤਲੀ ਦੋਮਟ ਜਾਂ ਚੀਕਣੀ ਮਿੱਟੀ ਮੱਕੀ ਦੀ ਕਾਸ਼ਤ ਲਈ ਸਭ ਤੋਂ ਵਧੀਆ ਹੈ। ਇਸ ਲਈ, ਮਿੱਟੀ ਦਾ pH ਮੁੱਲ 5.5 ਤੋਂ 7.0 ਹੋਣਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ। ਇਸਨੂੰ ਰੇਤਲੀ ਮਿੱਟੀ ਵਿੱਚ ਵੀ ਚੰਗੀ ਤਰ੍ਹਾਂ ਉਗਾਇਆ ਜਾ ਸਕਦਾ ਹੈ, ਸਿਰਫ਼ ਨਿਕਾਸੀ ਪ੍ਰਣਾਲੀ ਚੰਗੀ ਹੋਣੀ ਚਾਹੀਦੀ ਹੈ, ਕਿਉਂਕਿ ਪਾਣੀ ਇਕੱਠਾ ਹੋਣ ਨਾਲ ਪੌਦਿਆਂ ਦੇ ਵਾਧੇ 'ਤੇ ਅਸਰ ਪੈ ਸਕਦਾ ਹੈ।
ਜਲਵਾਯੂ:- ਗਰਮ ਅਤੇ ਨਮੀ ਵਾਲਾ ਜਲਵਾਯੂ ਮੱਕੀ ਦੀ ਕਾਸ਼ਤ ਲਈ ਵਧੀਆ ਹੈ। ਇਹ ਫਸਲ 18°C ਤੋਂ 30°C ਦੇ ਤਾਪਮਾਨ ਵਿੱਚ ਸਭ ਤੋਂ ਵਧੀਆ ਉੱਗਦੀ ਹੈ। ਇਸ ਨੂੰ ਭਰਪੂਰ ਧੁੱਪ ਅਤੇ ਨਿਯਮਤ ਬਾਰਿਸ਼ ਦੀ ਲੋੜ ਹੁੰਦੀ ਹੈ, ਤਾਂ ਜੋ ਪੌਦੇ ਸਹੀ ਢੰਗ ਨਾਲ ਵਧ ਸਕਣ। ਇਸ ਲਈ, ਇਹ ਫਸਲ ਖਾਸ ਕਰਕੇ ਮੌਨਸੂਨ ਅਤੇ ਗਰਮ ਮੌਸਮ ਦੌਰਾਨ ਲਗਾਈ ਜਾਂਦੀ ਹੈ।
ਬਿਜਾਈ ਦਾ ਸਮਾਂ: ਅਨਾਜ ਲਈ, ਬਿਜਾਈ ਆਮ ਤੌਰ 'ਤੇ ਮੈਦਾਨੀ ਇਲਾਕਿਆਂ ਵਿੱਚ ਜੂਨ-ਜੁਲਾਈ (ਖਰੀਫ਼) ਵਿੱਚ ਕੀਤੀ ਜਾਂਦੀ ਹੈ, ਦੱਖਣੀ ਭਾਰਤ ਵਿੱਚ ਹਾੜ੍ਹੀ ਅਤੇ ਗਰਮੀਆਂ ਦੀ ਕਾਸ਼ਤ ਸੰਭਵ ਹੈ ਅਤੇ ਸਿੰਚਾਈ ਦੇ ਨਾਲ। ਚਾਰੇ ਲਈ, ਬਿਜਾਈ ਮਾਰਚ ਤੋਂ ਸਤੰਬਰ ਤੱਕ ਕੀਤੀ ਜਾ ਸਕਦੀ ਹੈ।

ਬੀਜ ਦਰ ਅਤੇ ਵਿੱਥ: ਅਨਾਜ ਲਈ, 20-25 ਕਿਲੋਗ੍ਰਾਮ/ਹੈਕਟੇਅਰ ਕਾਫ਼ੀ ਹੈ, ਕਤਾਰ-ਤੋਂ-ਕਤਾਰ 60 ਸੈਂਟੀਮੀਟਰ ਅਤੇ ਪੌਦੇ-ਤੋਂ-ਪੌਦੇ ਦੀ ਵਿੱਥ 20-25 ਸੈਂਟੀਮੀਟਰ ਹੈ। ਚਾਰੇ ਲਈ, 30 ਸੈਂਟੀਮੀਟਰ ਦੀ ਕਤਾਰ ਦੇ ਅੰਦਰ ਬੀਜਾਂ ਵਿਚਕਾਰ 15 ਸੈਂਟੀਮੀਟਰ ਦੀ ਵਿੱਥ ਦੇ ਨਾਲ 40 ਕਿਲੋਗ੍ਰਾਮ/ਹੈਕਟੇਅਰ ਬੀਜ ਦਰ ਦੀ ਸਿਫਾਰਸ਼ ਕੀਤੀ ਜਾਂਦੀ ਹੈ।
ਖਾਦ ਅਤੇ ਖਾਦ ਪ੍ਰਬੰਧਨ: ਮੱਕੀ ਦੀ ਉੱਨਤ ਕਾਸ਼ਤ ਵਿੱਚ ਖਾਦ ਬਹੁਤ ਮਹੱਤਵਪੂਰਨ ਹਨ। ਇਸਦੇ ਲਈ, ਪ੍ਰਤੀ ਏਕੜ 8-10 ਟਨ ਗੋਬਰ ਖਾਦ ਪਾਓ, ਜੋ ਜ਼ਮੀਨ ਨੂੰ ਉਪਜਾਊ ਬਣਾਉਣ ਵਿੱਚ ਮਦਦ ਕਰਦੀ ਹੈ।

Sr. No.	Chemical fertilizers per hectare	Nitrogen (kg)	Phosphorus (kg)	Potash (kg)
1	At the time of sowing	30	60	40
2	After 15 days	35	00	00
3	After 30 days	35	00	00
	Total	100	60	40

ਰੋਗ ਅਤੇ ਕੀਟ ਨਿਯੰਤਰਣ :- ਫਰਟੇਰਾ (ਡੂਪੌਂਡ) 4 ਕਿਲੋ ਪ੍ਰਤੀ ਏਕੜ ਜਾਂ ਵਰਟੀਕੋ (ਸਿੰਜੈਂਟਾ) 2.5 ਕਿਲੋ ਪ੍ਰਤੀ ਏਕੜ ਖਾਦ ਦੇ ਨਾਲ ਵਰਤਣ ਨਾਲ 21 ਦਿਨਾਂ ਲਈ ਚੂਸਣ ਵਾਲੇ ਕੀੜਿਆਂ ਤੋਂ ਸੁਰੱਖਿਆ ਮਿਲਦੀ ਹੈ।

Sr. No.	Disease/Pest	Control	Amount Per Liter Of Water
1	Corn Blight	SAAF	02 grams per liter
2	Leaf Blight	KITOSHI	02 ml. per liter
3	Downy Mildew -	RIDOMIL GOLD	02 grams per liter
4	Charcoal Rot -	ROKO	02 grams per liter
5	Rust Diseases -	INDOFIL	02 grams per liter
6	Corn Borer	FORTENZA DUO	06 ml. li per kg during (seed treatment)
		CORAZON	05 ml per 15 litres.
7	Aphid,	CONFIDOR	0.5 ml per liter
8	Leaf Hopper	ACTERRA	06 grams per 15 liters
9	Fall Army Worm	FORTENZA DUO	06 ml. li per kg during (seed treatment)
		TRACER	05 ml per 15 litres.

ਸਿੰਜਾਈ ਪ੍ਰਬੰਧਨ: ਮੱਕੀ ਦੀ ਕਾਸ਼ਤ ਵਿੱਚ ਸਿੰਚਾਈ ਦਾ ਸਹੀ ਪ੍ਰਬੰਧਨ ਬਹੁਤ ਮਹੱਤਵਪੂਰਨ ਹੈ। ਜੇਕਰ ਸਾਉਣੀ ਦੇ ਮੌਸਮ ਵਿੱਚ ਕੁਦਰਤੀ ਬਾਰਿਸ਼ ਕਾਫ਼ੀ ਨਹੀਂ ਹੁੰਦੀ ਹੈ, ਤਾਂ ਲੋੜ ਅਨੁਸਾਰ ਸਿੰਚਾਈ ਕੀਤੀ ਜਾਣੀ ਚਾਹੀਦੀ ਹੈ। ਮੱਕੀ ਨੂੰ ਹਾੜ੍ਹੀ ਦੇ ਮੌਸਮ ਦੌਰਾਨ 4-6 ਸਿੰਚਾਈਆਂ ਦੀ ਲੋੜ ਹੁੰਦੀ ਹੈ, ਖਾਸ ਕਰਕੇ ਅਨਾਜ ਦੇ ਉਗਣ ਅਤੇ ਦੁੱਧ ਵਾਲੇ ਪੜਾਵਾਂ ਦੌਰਾਨ। ਤੁਪਕਾ ਸਿੰਚਾਈ ਪ੍ਰਣਾਲੀ ਸਿੰਚਾਈ ਲਈ ਸਭ ਤੋਂ ਢੁਕਵੀਂ ਹੈ, ਕਿਉਂਕਿ ਇਹ ਪਾਣੀ ਦੀ ਬਚਤ ਕਰਦੀ ਹੈ ਅਤੇ ਪੌਦਿਆਂ ਨੂੰ ਬਰਾਬਰ ਪਾਣੀ ਮਿਲਦਾ ਹੈ। ਸਿੰਚਾਈ ਦੌਰਾਨ, ਖੇਤ ਵਿੱਚ ਡਰੇਨੇਜ ਪ੍ਰਣਾਲੀ ਦਾ ਧਿਆਨ ਰੱਖੋ, ਤਾਂ ਜੋ ਪਾਣੀ ਇਕੱਠਾ ਨਾ ਹੋਵੇ ਅਤੇ ਫਸਲ ਨੂੰ ਨੁਕਸਾਨ ਨਾ ਪਹੁੰਚੇ। ਭਾਰੀ ਮਿੱਟੀ ਵਿੱਚ 4-5 ਸਿੰਚਾਈਆਂ ਅਤੇ ਹਲਕੀ ਮਿੱਟੀ ਵਿੱਚ 7-8 ਸਿੰਚਾਈਆਂ ਦੀ ਲੋੜ ਹੁੰਦੀ ਹੈ।

ਨਦੀਨ ਪ੍ਰਬੰਧਨ: ਮੱਕੀ ਦੀ ਫਸਲ ਵਿੱਚ ਨਦੀਨਾਂ ਦਾ ਨਿਯੰਤਰਣ ਬਹੁਤ ਮਹੱਤਵਪੂਰਨ ਹੈ, ਕਿਉਂਕਿ ਉਹ ਫਸਲ ਦੇ ਪੌਸ਼ਟਿਕ ਤੱਤਾਂ ਦੀ ਵਰਤੋਂ ਕਰਦੇ ਹਨ ਅਤੇ ਫਸਲ ਦੇ ਵਾਧੇ ਨੂੰ ਪ੍ਰਭਾਵਤ ਕਰਦੇ ਹਨ। ਨਦੀਨਾਂ ਨੂੰ ਕੰਟਰੋਲ ਕਰਨ ਲਈ, ਖੇਤ ਨੂੰ ਨਿਯਮਿਤ ਤੌਰ 'ਤੇ ਸਾਫ਼ ਕਰੋ ਅਤੇ ਨਦੀਨਾਂ ਨੂੰ ਹਟਾਓ। ਇਸ ਤੋਂ ਇਲਾਵਾ, ਨਦੀਨਾਂ ਦੇ ਨਾਸ਼ਕ ਦਵਾਈਆਂ ਦੀ ਵਰਤੋਂ ਨਦੀਨਾਂ ਨੂੰ ਆਸਾਨੀ ਨਾਲ ਨਸ਼ਟ ਕਰ ਦਿੰਦੀ ਹੈ ਅਤੇ ਫਸਲ ਚੰਗੀ ਤਰ੍ਹਾਂ ਵਧਦੀ ਹੈ।

ਮੱਕੀ ਦੀ ਫਸਲ ਵਿੱਚ ਨਦੀਨਾਂ ਦਾ ਨਿਯੰਤਰਣ-
1. ਮੱਕੀ ਦੀ ਫਸਲ ਵਿੱਚ ਨਦੀਨਾਂ ਦੀ ਸਮੱਸਿਆ ਨੂੰ ਕੰਟਰੋਲ ਕਰਨ ਲਈ, ਨਿਯਮਿਤ ਤੌਰ 'ਤੇ ਖੇਤ ਨੂੰ ਪੁੱਟ ਕੇ ਨਦੀਨਾਂ ਦੇ ਨਾਸ਼ਕ ਦਵਾਈਆਂ ਦੀ ਵਰਤੋਂ ਕਰੋ ਜਿਵੇਂ ਕਿ-
2. ਬੇਅਰ ਲੌਡਿਸ ਹਰਬੀਸਾਈਡ- ਲੌਡਿਸ ਹਰਬੀਸਾਈਡ ਟੈਂਬੋਟ੍ਰੀਓਨ 42% ਐਸਸੀ 150 ਮਿ.ਲੀ. ਪ੍ਰਤੀ ਏਕੜ ਸਪਰੇਅ ਕਰੋ।

ਕਟਾਈ: ਅਨਾਜ ਲਈ, ਮੱਕੀ ਦੀ ਕਟਾਈ ਉਦੋਂ ਕੀਤੀ ਜਾਂਦੀ ਹੈ ਜਦੋਂ ਦਾਣੇ ਪੂਰੀ ਤਰ੍ਹਾਂ ਪੱਕ ਜਾਂਦੇ ਹਨ ਅਤੇ ਸੁੱਕ ਜਾਂਦੇ ਹਨ। ਚਾਰੇ ਲਈ, ਜਦੋਂ ਛੱਲਾ ਦੁੱਧ ਵਾਲੇ ਪੜਾਅ ਵਿੱਚ ਹੋਵੇ ਜਾਂ ਉਦੇਸ਼ਿਤ ਵਰਤੋਂ ਲਈ ਢੁਕਵੇਂ ਪੜਾਅ 'ਤੇ ਹੋਵੇ (ਜਿਵੇਂ ਕਿ, ਹਰਾ ਚਾਰਾ, ਸਾਈਲੇਜ) ਤਾਂ ਵਾਢੀ ਕਰੋ।

ਨੋਟ:- ਉਪਰੋਕਤ ਸਾਰੀ ਜਾਣਕਾਰੀ ਸਾਡੇ ਖੋਜ ਕੇਂਦਰ ਵਿਖੇ ਕੀਤੇ ਗਏ ਪ੍ਰਯੋਗ 'ਤੇ ਅਧਾਰਤ ਹੈ। ਉਪਰੋਕਤ ਜਾਣਕਾਰੀ ਵੱਖ-ਵੱਖ ਥਾਵਾਂ 'ਤੇ ਵੱਖ-ਵੱਖ ਮੌਸਮ, ਮਿੱਟੀ ਦੀ ਕਿਸਮ ਅਤੇ ਮੌਸਮ ਦੇ ਕਾਰਨ ਬਦਲ ਸਕਦੀ ਹੈ।